गर्भवती महिला के शरीर में बचा महज 1 .5 ग्राम हीमोग्लोबिन

मेडिकल ऑफिसर के पत्र से मचा हड़कंप, एसडीएम-बीएमओ की पहल पर भेजा गया अस्पताल

नवभारत न्यूज

सतना, 7 मई. गंभीर कुपोषण के लिए कुख्यात हो चुके जिले के चित्रकूट क्षेत्र में एक और हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई जब एक गर्भवती महिला के शरीर में महज 1.5 ग्राम हीमोग्लोबिन शेष मिला.

मेडिकल ऑफिसर द्वारा लिखे गए पत्र के जरिए यह जानकारी जैसे ही सामने आई वैसे ही जिम्मेदारों के बीच हड़कंप मच गया. लिहाजा आनन-फानन में समझाइस देते हुए महिला को जानकीकुण्ड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के चित्रकूट क्षेत्र में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर धर्मेंद्र पाण्डेय द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सतना डॉ. मनोज शुक्ला और ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर मझगवां रुपेश सोनी को बुधवार को एक पत्र लिखा गया था. उक्त पत्र ममें इस बात की जानकारी दी गई थी कि चित्रकूट के वार्ड क्र. 6 में एक गर्भवती महिला रहती है. महिला 6 माह की गर्भवती है, लेकिन वह इस कदर गंभीर एनीमिक है कि उसके शरीर में महज 1.5 ग्रमा रक्त की मात्रा ही बची है. यदि उसे तत्काल उपचार उपलब्ध न कराया गया तो न सिर्फ गर्भवती महिला बल्कि गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य पर भी गंभीर संकट खड़ा हो सकता है. यह जानकारी सामने आते ही स्वास्थ्य विभाग सहित प्रशासन के बीच खलबली मच गई. लिहाजा आनन-फानन में बीएमओ मझगवां द्वारा एक स्वास्थ्य टीम को उक्त गर्भवती महिला के घर भेजा गया. स्वास्थ्य टीम ने परिजनों से अपील की कि गर्भवती महिला को बिना देरी किए अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करा दिया जाए. लेकिन परिजनों ने महिला को अस्पताल ममें भर्ती कराने से साफ इंकार कर दिया. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम मझगवां महिपाल गुर्जर और बीएमओ मझगवां डॉ. रुपेश सोनी मातहत अमले के साथ एक बार फिर से चित्रकूट के वार्ड क्र. 6 में स्थित उक्त महिला के घर पहुंच गए. काफी देर तक चली समझाइस और मान-मनौव्वल के बाद परिजन किसी तरह राजी हो गए. नतीजतन महिला को फौरन ही सदुरु चिकित्सालय जानकीकुण्ड ले जाया गया. जहां पर उसे भर्ती करते हुए रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई.

नहीं सुधरी कार्यशैली

जिले के चित्रकूट क्षेत्र में गंभीर कुपोषण के कई मामले सामने आने और कुछ बच्चों की मृत्यु हो जाने के बाद प्रशासन द्वारा भले ही व्यवस्था में कसावट लाने का प्रयास किया गया हो . लेकिन इसके बावजूद भी मैदानी अमले की कार्यशैली में कितना सुधार हुआ है . इसकी तस्दीक मेडिकल ऑफिसर द्वारा लिखे गए पत्र के जरिए आसानी से की जा सकती है . मैदानी अमले द्वारा उपस्थिति पंजी में हस्ताक्षर नहीं किए जाते . प्रति शनिवार स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम की बैठक होनी चाहिए, जो कि नहीं होती . एक ओर जहां फील्ड विजिट रजिस्टर में प्रतिदिन की रिपोर्ट नहीं लगाई जाती है . वहीं दूसरी ओर उनकी उपस्थिति की सत्यापन तक नहीं कराया जाता है . जिसके चलते कुपोषण और एनीमिया जैसी गंभीर बीमारियों की रिपोर्टिंग प्रभावित हो रही है . मामले का काबिलेगौर पहलू यह भी कि स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य के जिस मुखिया पर समूची जिम्मेदारी है, उन्हीं पर मुख्यालय छोड़कर अपनी निजी प्रैक्टिस पर ध्यान केंद्रित करने के आरोप पिछले काफी समय से लगते आ रहे हैं .

जयस्तंभ चौक के निकट ऑटो पलटा, बच्चा घायल

जानलेवा साबित हो रहा सीवर लाइन कार्य के लिए खोदा गया गड्ढा

नवभारत न्यूज

सतना 7 मई. शहर में सीवार लाइन से संबंधित कार्यों के जरिए नगरवासियों को मिलने वाला संत्रास कम होने का नाम नहीं ले रहा है. कुछ दिन पहले ही कोतवाली चौक के निकट खोदा गया गड्ढा लोगों की मुसीबत का सबब बना हुआ था. वहीं अब जयस्तंभ चौक मार्ग पर खोदा गया गड्ढा जानलेवा साबित होता नजर आने लगा है.

कोतवाली चौक से जयस्तंभ चौक होते हुए स्टेशन रोड की ओर जाने वाली को खोदे हुए सप्ताह भर से अधिक समय बीत चुका है. लेकिन अब तक वहां पर न तो पाइप लाइन ही डाली जा सकी और न ही गड्ढों को भरने का कार्य ही शुरु हो सका. बाजार क्षेत्र के सबसे प्रमुख मार्ग पर खोदे गए गड्ढों के कारण नगरवासी न सिर्फ पिछले सप्ताह भर से भीषण जाम की समस्या से जूझते आ रहे थे. बल्कि हर दिन कोई न कोई दोपहिया वाहन सवार के गिरकर घायल होने की जानकारी भी सामने आ रही थी. लेकिन गुरुवार को मामला उस वक्त गंभीर होता नजर आया जब जयस्तंभ चौक के निकट एक इलेक्ट्रिक आटो गड्ढे की चपेट में आ गया. गड्ढे की चपेट में आने के कारण आटो पलट गया. जिसके चलते उसमें सवार सावरियां भी घायल हो गईं. लेकिन सबसे अधिक चोट आटो में मां की गोद में बैठे छोटे से बच्चे को लगी. जिसके चलते उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया. घटना होती देख आस पास के लोगों ने फौरन मदद करते हुए पलटे हुए आटो को कड़ी मशक्कत कर सीधा किया.

नाली में गिरा बाइक सवार

नगर निगम द्वारा कराए जा रहे कार्यों की लापरवाही का एक और नमूना गुरुवार को ही जयस्तंभ चौक से नजीराबाद की ओर जाने वाले मार्ग पर भी दिखाई दी . मार्ग पर जाम लगे होने के कारण बाइक सवार ने किनारे से वाहन निकालने का प्रयास किया . लेकिन इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे परिवार समेत नाली में जा गिरे . मौजूद लोगों ने किसी तरह उन्हें संभालते हुए बाहर निकाला . बताया गया कि उक्त स्थान पर नाली निर्माण का कार्य जारी है . लेकिन इसके बावजूद भी निर्माण क्षेत्र में किसी तरह की घेराबंदी कर उक्त स्थान को लोगों के लिए सुरक्षित नहीं किया गया है .

मीट मार्केट के सामने अवैध निर्माण का आरोप

- दुकानदार ने की निगमायुक्त से शिकायत

नवभारत न्यूज

सतना 7 मई. शहर के नजीराबाद क्षेत्र में स्थित मीट-मत्स्य मार्केट के सामने पार्किंग व चहरदिवारी पर अवैध निर्माण कराया जा रहा है. इस मामले की शिकायत उक्त मार्केट के एक दुकानदार द्वारा निगमायुक्त से की गई है.

शहर के खूंथी क्षेत्र के निवासी मोहम्मद यासीन ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने नजीराबाद स्थित मीट-मत्स्य मार्केट में दुकान क्र. 8 को किराए पर ढाई वर्ष पहले लिया था. हलांकि उनकी दुकान तब से बंद ही है, लेकिन इसके बावजूद भी वे प्रति माह 13 हजार रु का किराया देते आ रहे हैं. उक्त मीट मार्केट में 28 दुकानें पूर्व से निर्मित हैं और उनकी दुकान दूसरी लाइन में सबसे आगे है. लेकिन नगर निगम से संबद्ध ठेकेदार और कुछ कर्मचारियों द्वारा उनकी दुकान के सामने चहरदिवारी च पार्किंग को हटाकर रास्ते पर अवैध निर्माण किया जा रहा है. इस अवैध निर्माण की वजह से न सिर्फ उनकी दुकान का मार्ग अवरुद्ध हो रहा है बल्कि पार्किंग क्षेत्र पर भी अतिक्रमण किया जा रहा है. यासीन के अनुसार एक ओर जहां मीट मार्केट में बनी दुकानों को पहले से ही कोई लेने को तैयार नहीं है वहीं दूसरी ओ इस अवैध निर्माण के कारण दुकानों का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा. जिसे देखते हुए यासीन ने निगमायुक्त से लिखित शिकायत कर यह मांग की है कि यदि उनकी दुकान के सामने निर्माण कार्य हुआ तो उनका किराया वापस लौटाया जाए. अथवा अवैध निर्माण कार्य को तत्काल बंद कराया जाए.

ट्रांसपोर्ट नगर उद्देश्य से भटका, बना मोटर लाइन का हब

गंदगी और अव्यवस्था चरम पर,लोगों ने खोल लिए दूसरे कारोबार

नवभारत न्यूज

सतना, 7 मई. कभी देश की तीसरी ट्रांसपोर्ट की मंडी रहे शहर में इस व्यवसाय से जुड़े लोगों को बड़े अरमानों के साथ ट्रांसपोर्ट नगर की सौगात वर्षों पहले नगर निगम ने दी थी.बदले परिदृश्य में इन दिनों अपने मूल उद्देश्य से भटककर एक बड़े गैरेज हब में तब्दील हो गया है।

पूरे ट्रांसपोर्ट नगर की सभी सड़कें इस कदर दिन के चौबिसों घण्टे अतिक्रमण की चपेट रहती हैं कि उनसे दोपहिया वाहन भी निकाल पाना मुश्किल होता है. हर तरफ ट्रकों, बसों और अन्य भारी वाहनों की मरम्मत का काम खुलेआम सड़कों पर किया जा रहा है, जिससे पूरे इलाके में गंदगी और अव्यवस्था फैल गई है।हालात यह हैं कि सड़कों पर जगह -जगह ग्रीस, तेल और कचरा फैला हुआ है। वाहन मरम्मत के दौरान निकलने वाला कबाड़ और कचरे को खुले में बेहिचक फेंक दिया जाता है, जो नगर निगम के स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ाता नजर आता है. पूरी तरह कबाड़खाने में बदल चुके ट्रांसपोर्ट नगर के केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि आसपास के लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले यह क्षेत्र व्यवस्थित था, लेकिन धीरे-धीरे यहां अवैध गैरेज संचालित होने लगे। अब स्थिति यह हो गई है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। हर समय भारी वाहन आते-जाते और मरम्मत कार्य के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है।स्थानीय लोगों ने बताया कि हम रोज यहां से गुजरते हैं, लेकिन गंदगी और जाम की वजह से काफी परेशानी होती है। कई बार शिकायत भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि प्रशासन इस समस्या को नजरअंदाज कर रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और बिगड़ सकती है।

प्रदूषण से बीमारियों का खतरा

सुभाषु सिंह ने बताया कि गैरेज संचालक खुले में ट्यूब और अन्य कचरा जलाते हैं, जिससे प्रदूषण फैलता है और लोगों में कई प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध गैरेजों पर कार्रवाई की जाए और ट्रांसपोर्ट नगर को फिर से व्यवस्थित किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

सीईओ जिला पंचायत ने किया मझगवां क्षेत्र का भ्रमण

नवभारत न्यूज

सतना 07 मई. सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने गुरूवार को मझगवां क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सेवा सहकारी समिति कोठी के एटूजेड बेयर हाउस का निरीक्षण किया।

सीईओ ने खरीदी व्यवस्था, भंडारण और किसानों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने उपस्थित कृषकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। किसानों ने खरीदी, भुगतान और व्यवस्थाओं से जुड़ी बातों को साझा किया। इसके पश्चात सीईओ जिला पंचायत ने मझगवां के जल संकट से प्रभावित आदिवासी बस्तियों एवं जल अभावग्रस्त क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने मौके पर स्थिति का आकलन कर जल संकट के स्थायी समाधान के लिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सीईओ ने कहा कि ग्रामीण जनों को पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्राथमिकता है और इसके लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं रखीं, जिनके निराकरण का भरोसा दिलाया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इनका कहना है

मझगवां के दौरे के दौरान पानी की समस्या को प्राथमिकता पर लिया गया है।तत्काल दो पुराने कुओं की सफाई का काम पूरा करा लिया गया है शेष बचे हुए कुओं की सफाई का कार्य भी जल्द शुरू किया जाएगा, जल संरक्षण के लिए एक नए तालाब का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

शैलेंद्र सिंह
जिला पंचायत सीईओ

मझगवां क्षेत्र में होंगे सीएसआर मद से कार्य

नवभारत न्यूज

सतना 07 मई कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सीएसआर संबंधी बैठक आयोजित की गई।

कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी की बैठक में कलेक्टर ने जिले के समग्र विकास के लिए कंपनियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से मझगवां विकासखंड के बनांचल में बसे आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में सीएसआर मद से स्वास्थ्य, शिक्षा तथा ग्रामीणों की आय बढाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश औद्योगिक संस्थानों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि माइनिंग एरिया के साथ-साथ विशेष रूप से मझगवां, बरौंधा और चित्रकूट क्षेत्र के आदिवासी ग्रामों में सीएसआर मद से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में पोषण की समस्या के प्रभावी निराकरण हेतु कंपनियां लक्ष्य आधारित प्रोजेक्ट तैयार कर सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि पोषण स्तर के सुधार के लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकें।

केंद्रीय कर्मचारी तथा पेंशनर्स संगठनों ने अपने सुझाव वेतन आयोग को दिया

नवभारत न्यूज

सतना, 7 मई. भारत पेंशनर समाज नई दिल्ली एवं केंद्रीय कर्मचारी तथा पेंशनर्स संगठनों के द्वारा आठवें वेतन आयोग को अपने सुझाव निम्न अनुसार प्रेषित किया.

न्यूनतम बेसिक वेतन मौजूदा रुपया 18 000 से बढ़कर रुपया 69 श्रशश किया जाए फिटमेंट फार्मूला 3.83 लागू किया जाए न्यूनतम पेंशन 9000 से बढ़कर 34470 रुपया की जाए आयोग की सिफारिश 1 जनवरी 2026 से प्रभावशील की जाए देश के अन्य राज्यों के कर्मचारी और पेंशनर के लिए यही फार्मूला राज्य सरकार लागू करें उपरोक्त जानकारी भारत पेंशनर समाज के द्वारा हरि प्रकाश गोस्वामी अध्यक्ष पेंशनर समाज जिला सतना को प्रेषित की गई है

नागौद में बालिका से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

सतना, 7 मई. घर में अकेला पाकर रिश्ते के चाचा ने बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे दिया। मामले की शिकायत मिलने पर सक्रिय हुई पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

नागौद थाना प्रभारी अशोक पाण्डेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को पीड़ति अपनी मां के साथ उपस्थित होकर शिकायत की। जिसके अनुसार बालिका की मां बारात में गई थी और पिता बारात मे खाना बनाने गये थे। वह घर पर अकेले थी। शाम को जब वह घर के बाहर वाले कमरे का दरवाजा बंद करने जा रही थी तभी गांव का रिस्ते का चाचा हरिशंकर कुशवाहा घर के अन्दर घुस आया और जबरदस्ती दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।जिसके बाद बालिका ने रोते हुए बडे पापा की लडकी को फोन पर जानकारी दी। माता पिता के घर आने पर घटना के बारे में बताया। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया । आरोपी हरिशंकर कुशवाहा पिता रामरूप कुशवारा उम्र 23 वर्ष निवासी कंचनपुर श्यामनगर की तलाश करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

एक नजर में

राज्य किकबॉक्सिंग में सतना के 20 खिलाड़ी लेंगे भाग

सतना. एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन ऑफ़ मध्य प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित होने वाली मध्य प्रदेश राज्य किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता में जिले के 20 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता 8, 9 एवं 10 मई को इंदौर स्थित किड्स कॉलेज स्कूल परिसर में आयोजित की जाएगी। इसी प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर आगामी राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता हेतु मध्यप्रदेश टीम का चयन भी किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में आदित्य प्रताप सिंह परिहार, वैभवी मिश्रा, अदिति शर्मा, शांभवी मिश्रा, आयुष प्रताप सिंह, आयुष तिवारी, दिव्यांश सिंह परिहार, ध्रुव प्रताप सिंह, दीक्षा खरे, आकांक्षा वर्मा, ऋषभ त्रिपाठी, तुषित दुबे, ईशा सिंह, अमन यादव, अनंत सिंह, दिव्यम, नूपुर, शशि प्रताप सिंह, सुधांशु एवं सविनय सिंह चौहान शामिल हैं।

व्यापारी कल्याण बोर्ड गठन पर सतना में खुशी की लहर

नवभारत न्यूज

सतना, 7 मई. मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन से जिले के व्यापारियों में उत्साह और खुशी का माहौल है।

व्यापारियों ने इसे लंबे समय से लंबित मांग पूरी होने के रूप में देखा और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में शहर के लाल बहादुर शास्त्री मार्केट पुरानी गल्ला मंडी में स्थानीय व्यापारियों ने एकत्र होकर निर्णय का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों ने कहा कि इस पहल से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और गरीब वर्ग के हितों की सुरक्षा को नई दिशा मिलेगी।कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा छोटे व्यापारियों और आमजन के हितों के लिए कार्य करती रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा है तो मुमकिन है केवल नारा नहीं बल्कि जनहित के कार्यों का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा कि व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान तेज़ी से होगा और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल सकेगा।

लोक अदालत शिविर 21 से 23 अगस्त तक

सतना 07 मई. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना द्वारा समाधान समारोह 2026 योजना अंतर्गत विशेष लोक अदालत शिविर का आयोजन 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रूपाली उईके ने अधिवक्ताओं एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे अपने प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

ओबीसी आरक्षण और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा को लेकर दिल्ली में अहम बैठक

नवभारत न्यूज

सतना, 7 मई. सांसद गणेश सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन के समिति कक्ष 'डी' में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता से जुड़े संवैधानिक प्रावधानों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रतिनिधित्व और कल्याणकारी उपायों की समीक्षा के उद्देश्य से आयोजित की गई।

बैठक का आयोजन गुरुवार, 07 मई 2026 को प्रात: 11:30 बजे संसद भवन, नई दिल्ली में किया गया। बैठक में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और आयोगों के वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के समक्ष विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में मुख्य रूप से संवैधानिक उपबंधों के संबंध में भारत सरकार, संघ राज्य क्षेत्रों, सरकारी उपक्रमों, सांविधिक एवं अर्ध-सरकारी निकायों के अधीन पदों और सेवाओं में अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए आरक्षण नीति के कार्यान्वयन तथा उनके कल्याण के लिए किए गए उपाय विषय पर चर्चा की गई।

सामाजिक चुनौतियों के समाधान में स्वैच्छिक संगठनों की अहम भूमिका : डॉ .सतीश

नवभारत न्यूज

सतना 07 मई. मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा स्वैच्छिक संगठनों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित पंख कार्यक्रम के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने की। बैठक में अपर कलेक्टर विकास सिंह, संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक डॉ. राजेश तिवारी सहित कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य विभागों के अधिकारी एवं जिले में सक्रिय स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि मझगवां का बरौंधा और उचेहरा का परसमनिया क्षेत्र जनजातीय बाहुल्य हैं। जहां शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रोटरी के गवर्नर आज आयेंगे

सतना। रोटरी क्लब 3120 के गवर्नर आशुतोष अग्रवाल आज अपनी

आधिकारिक यात्रा पर सतना पधार रहे हैं पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि मंडलाअध्यक्ष 8 मई को सायं 5:30 बजे पन्ना रोड स्थित द सेवंथ हेवन रिजॉर्ट पहुंचकर सबसे पहले बीओडी की बैठक में भाग लेकर इस वर्ष सतना रोटरी द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा करेंगे फिर 6:30 बजे से पत्रकार साथियों से मिलकर पत्रकार वार्ता कर रोटरी क्लब द्वारा पूरे विश्व में किए जा रहे जनहित के कार्यों एवं पीड़ति मानवता की सेवा के बारे में जानकारी देंगे। रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉक्टर सुनील अग्रवाल सचिव पवन गुप्ता कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने रोटरी गवर्नर आशुतोष अग्रवाल का जोरदार स्वागत करने सभी रोटेरियन साथियों से अपील की है।